उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग

23 एलनगंज, प्रयागराज–211002

पाठ्यक्रम

सामान्य ज्ञान

प्रशिक्षित स्नातक (TGT) एवं प्रवक्ता (PGT)

प्रश्नों की संख्या–30

इकाई 1 : समसामयिकी:–

(i) राज्य, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएँ
(ii) चर्चित व्यक्तित्व
(iii) खेल

इकाई 2: भारतीय इतिहास, भारतीय राजव्यवस्था, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारत का भूगोल:–

(i) भारतीय इतिहास एवं भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन
(ii) भारतीय संविधान एवं राज व्यवस्था, शैक्षिक व्यवस्था से संबंधित विधिक एवं संवैधानिक विकास
(iii) भारतीय अर्थव्यवस्था
(iv) भारत का सामान्य भूगोल एवं जनसंख्या

इकाई 3: सामान्य विज्ञान, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी :–

(i) सामान्य विज्ञान दृसामयिक संदर्भ में प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण
(ii) मानव स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विटामिन, खनिज, रोग, अल्पताजन्य रोग, हार्मोन्स, एन्जाइम
(iii) कम्प्यूटर और इन्टरनेट शब्दावली
(iv) आई0 सी0 टी0 के अनुप्रयोग
(v) शैक्षिक प्रौद्योगिकी में विकास

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग

23 एलनगंज, प्रयागराज–211002

प्रशिक्षित स्नातक (TGT) संस्कृत

(Subject Code- 02)

खण्ड–क : गद्य, पद्य नाटक एवं काव्यशास्त्र

अधोलिखित, ग्रन्थों से निर्धारित अंकों के आधार पर शब्दार्थ, सूक्तियाँ, शब्दों की व्याकरणात्मक टिप्पणी, चरित्र–चित्रण तथा ग्रन्थकर्त्ता का परिचय :–

कादम्बरी (शुकनासोपदेश मात्र), शिवराजविजयम्, (प्रथम निःश्वास), किरातार्जुनीयम् (प्रथग सर्ग) रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) हितोपदेश (सम्पूर्ण) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अङ्क) और उत्तररामचरितम् (तृतीय अङ्क)।

खण्ड–ख : साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)

खण्ड–ग : संस्कृत व्याकरण

डॉ० बाबूराम सक्सेना कृत "संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका" के आधार पर–सन्धि, समास, कारक एवं प्रत्याहार का परिचय, अकारान्त, इकारान्त, उकारान्त, ऋकारान्त, पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग शब्दों का रूप, सर्व यत्, किम्, युष्मद्, इदम्, अस्मद् सर्वनामों के रूप, एक से सौ तक की संख्याओं के संस्कृत शब्दों का ज्ञान, भू, गम्, पठ्, पा, लभ्, हन्, दुह्, दा, भी, दिव्, जनि, तुद्, रथ्, प्रच्छ्, ब्रू तथा चुर् धातुओं के लट्, लोट्, लृट्, लङ्. और विधिलिङ् लकारों में रूप।

खण्ड–घ : संस्कृत सुभाषित एवं सूक्तियों का परिज्ञान

वाच्य–परिवर्तन और अशुद्धि–परिमार्जन।

प्रशिक्षणात्मक संस्कृत–प्रशिक्षण की दृष्टि से व्याकरण, अनुवाद, पद्य आदि की पाठ्य विधियों का सामान्य–परिचय।